

# JAIN AHIMSA TIMES

IN COMMUNITY SERVICE FOR 14 CONTINUOUS YEARS  
THE ONLY JAIN E-MAGAZINE • WORLD OVER + 100000 READERSHIP



Volume : 131

Issue No. : 131

Month : June, 2011

## दिगम्बर संत सौरभ सागर जी महाराज

एक तपस्वी धोबी से टकरा गया। तपस्वी बोला - अंधा है क्या ? तेरे स्पर्श से अशुद्ध हो गया। धोबी बोला - तू जानी नहीं पाखंडी है, तुझे पता नहीं बोझ-भार वाले को मार्ग देना चाहिए। तपस्वी ये सुनते ही आपे से बाहर हो गया। दोनों में उठापटक शुरू हो गयी। तपस्वी था कृशकाय और धोबी हट्टा-कट्टा। धोबी के धोबीपाट और धोबी-पछाड़ बहु तप्रसिद्ध है। तपस्वी कराहता रह गया। थोड़ी देर बाद तपस्वी के इष्टदेव प्रकट हुए तपस्वी बोला - आप कहां गायब हो गए थे। इष्ट देव बोला - मैं यहीं था, धोबी और चांडाल की लड़ाई देख रहा था। तपस्वी - धोबी ने जिसकी दुर्गति की, वह चांडाल नहीं, मैं था। इष्टदेव बोला - नहीं, मुझे तो तुम दिखाई नहीं दिए। तुम इतनी साधना करते हो, फिर भी चांडाल बन गए थे। तपस्वी का सिर शर्म से झुक गया।

### ज्वलंत समस्या . एकजूट होकर समाधान करें - दिनेश मुनि ( श्रमण संघीय सलाहकार )

कहावत है कि एक अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता। अर्थात् एक व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता। दूसरी कहावत यह है कि एक मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है। बड़ा अजीब लगता है कि एक ओर तो कहते हैं कि एक अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता और दूसरी ओर कहते हैं कि एक मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है। यह परस्पर विरोधी बात कुछ समझ नहीं आती। किन्तु समझना तो पड़ेगा ही। जहां तक अच्छाई का प्रश्न है तो एक आदमी कुछ नहीं कर सकता किन्तु बुराई की बात आती है तो एक आदमी समाज में बुराई फैला सकता है, समाज का अहित कर सकता है।



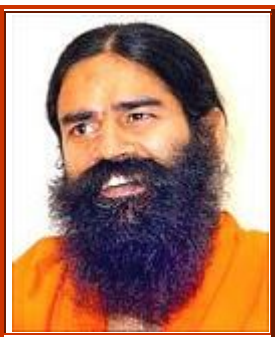
उपर्युक्त विचार के परिप्रेक्ष्य में चिंतन आवश्यक प्रतीत होता है। यह सम्भव है, ये कहावतें जब प्रचलन में आई होंगी तब सही रही होगी। आज समय बदल चुका है। आदमी उन्नति के शिखर पर है। यहां एक व्यक्ति भी परिवर्तन ला सकता है। आपको स्मरण दिला दूं कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध अकेले अण्णा हजारे ने आवाज बुलन्द की और आमरण अनशन पर बैठ गए। उनकी आवाज में दम था। मुग्धा वाजिब था। उनके साथ लोग जुड़ने लगे और उन्होंने अपने आन्दोलन से सरकार को झुकने के लिए मजबूर कर दिया। वे अकेले चले किन्तु साथ मिलता गया और कारवां जुड़ता गया। कौन कहता है कि आसमान में छेद नहीं होता, एक पत्थर तो उछालो यारो। कहने का तात्पर्य यह है कि यदि किसी के भी मन में अव्यवस्था के विरुद्ध, अत्याचार के विरुद्ध, शोषण के विरुद्ध कोई विचार आता है तो उसे यह सोचकर चुप नहीं बैठना है कि उस एक के आवाज उठाने से क्या होगा? यह सम्भव है कि आपने आवाज उठाई और आपको जनसमर्थन मिलने लगा, तब वह एक जन-आन्दोलन का रूप ग्रहण कर लेगा। बस आवश्यकता पहल करने की है।

जिस प्रकार अण्णा हजारे को पूरे देश का समर्थन मिल गया उससे अभी यह नहीं समझ लेना चाहिए कि देश से भ्रष्टाचार समाप्त हो जाएगा। लोकपाल विधेयक अभी प्रक्रिया में है। कानून तो अभी भी है किन्तु और भी सख्त कानून बनेगा। प्रश्न यह है कि क्या केवल कानून बनने मात्र से भ्रष्टाचार बंद हो जायगा? इसमें संदेह है। वास्तव में जब तक देने वाले देना बन्द नहीं करेंगे तब तक लेने वाले बन्द नहीं करेंगे। बड़े लाभ के लिये छोटी हानि जनता सहती रहेगी। यह सब इच्छाशक्ति पर निर्भर करता है। जब तक जनता (देने वाले) दृढ़ मन से देना बन्द नहीं करेगी, मांगने वालों को सड़क पर नहीं लाया जायगा तब तक यह सिलसिला रुकने वाला नहीं है।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध संगठित लड़ाई का उदाहरण देखा। अब हम एक दूसरी समस्या की ओर आप सबका ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। अभी हाल ही में समाचार पत्रों में आपने पढ़ा ही होगा कि उत्तर प्रदेश में एक जैन संत के साथ किस प्रकार का व्यवहार हुआ। बूचडखाने खुलने के विरुद्ध में अनशन पर बैठे संत को रात्रि में पुलिस द्वारा उस स्थान से उठाकर अन्यत्र स्थान पर ले जाया गया। और विगत कुछ वर्षों से जैन साधु-साधवियों दुर्घटनाओं में मारी जा रही है। कुछ वर्ष पूर्व श्रमण संघ के महामंत्री तपस्वी श्री मोहनमुनिजी म. का सड़क दुर्घटना में देहांत हो गया। फिर साहित्यमनीषी, आगम मर्मज्ञ आचार्य श्री जम्बूविजयजी की मृत्यु दुर्घटना में हुई। कुछ दुर्घटनाएं ऐसी भी हुईं जिनमें चार से लेकर छः तक साधवियों काल कवलित हो गईं। जैन साधुओं और साधवियों के साथ लूट एवं अभद्र व्यवहार के समाचार भी पढ़ने-सुनने में आते हैं। जब भी कोई ऐसी दुर्घटना होती है तब जैन समाज जुलूस निकाल कर और जापन देकर अपना आक्रोश प्रकट कर देता है। उसके बाद फिर किसी नई दुर्घटना होने पर आक्रोश आता है। प्रश्न यह है कि क्या सम्पूर्ण जैन समाज पूर्ण रूप से संगठित होकर अपने धर्मगुरुओं के साथ होने वाली ऐसी दुर्घटनाओं के रोक के लिए आवाज क्यों नहीं उठाता। हमें तो ऐसा लगता है कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाली ये दुर्घटनाएं सम्भवतः किसी षडयंत्र का एक अंग है।

जैन साधु-साध्वी पाद विहारी होते हैं और गांव-गांव, नगर-नगर भ्रमण कर जन-जन को सत्य-अहिंसा का उपदेश देते हैं। उनके उपदेश का आधार आचरण की शुद्धता पर केन्द्रित होता है। आहार-पानी में उनका कोई विशेष आग्रह नहीं होता है। जो भी गोचरी में मिल जाता है, उसी को ग्रहण कर संतुष्ट रहते हैं। यदि आहार न मिल पाया तो उस दिन उपवास कर लेते हैं। उनकी किसी के साथ शत्रुता नहीं होती है। वे वेर-भाव के त्यागी होते हैं। राग-द्वेष से दूर रहते हैं। ऐसे धर्मात्मा महापुरुषों के साथ यदि अमानवीय व्यवहार होता है, उनकी हत्याएं होती हैं तो दुःख होना स्वाभाविक है।

जैन साधु-साध्वी के साथ होने वाले हादसों के विरुद्ध आवाज अवश्य उठती है किन्तु वह सामयिक होती है। मात्र एक दिन आवाज बुलंद करने से कुछ होने वाला नहीं है। इस प्रकार के हादसों/अमानवीय व्यवहारों के विरुद्ध समग्र जैन समाज को संगठित होकर लामबंद होना पड़ेगा और सतत् जागृत रहते हुए अपने धर्म-गुरुओं की रक्षा करने के लिये आगे आना होगा। यहां दिगम्बर-श्वेताम्बर, मंदिरमार्गी, स्थानकवासी आदि साम्प्रदायिक भेद भुलाकर सबको एक साथ एक आन्दोलन के रूप में कार्य करने की आवश्यकता है। हम तो यहां तक कहते हैं कि इस प्रकार की दुर्घटनाओं के विरुद्ध समग्र भारतीय समाज को एकजुट होकर आवाज उठानी होगी। कारण कि आज जैन साधु-साधवियों के साथ जो हो रहा है, वह कल किसी अन्य धर्मगुरु के साथ भी घटित हो सकता है। इसलिये सामूहिक आवाज उठाकर ऐसे प्रकरणों को समाप्त करने के लिये और अपराधियों को दण्डित करने के लिए सरकार को भी कठोर से कठोर कदम उठाने के लिए बाध्य करना होगा। यही समय है। यदि अभी भी हम नहीं जागे तो फिर भविष्य में क्या होगा? कुछ कहा नहीं जा सकता। सम्भव है किसी दिन समस्त जैन साधु-साधवियों को ही ये असामाजिक तत्त्व अपने निशाने पर रख ले। इसलिये भाइयों, जागो एकजुट होकर इस समस्या का समाधान करो। इसी में सबका हित है। संपर्क सूत्र :- श्री तारक गुरु जैन ग्रन्थालय, गुरु पुष्कर मार्ग, उदयपुर राजस्थान 313001.



संत का साम्राज्य - बाबा रामदेव ने अपने 17 साल के सफर में 1122 करोड़ रुपए का साम्राज्य खड़ा किया, वह भी खुलेआम, योग सिखाकर। आयुर्वेदिक दवाइयां बेचकर और अपने अनुयायियों से मिले दान के जरिए। तन पर सिर्फ कनखल में दिव्य योग मंदिर की स्थापना और फिर ज्वालापुर के गुघाल मैदान पर पहले योग शिविर ने उनके भाग्य को बदल कर रख दिया। उनकी असली यात्रा तो यही कोई दस साल पहले शुरू हुई। स्विट्जरलैंड में 700 एकड़ के विशाल द्वीप में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय योग सेंटर की स्थापना की है। हाल में ही अमेरिका के सेन फ्रांसिसको में पतंजलि हर्बल की स्थापना कर अपने प्रतिष्ठान का प्रवेश विदेश में कराया है। इससे पहले 2004 में रुड़की रोड पर पतंजलि पार्क की स्थापना की। दो वर्ष बाद पतंजलि योगपीठ फेज एक स्थापित हुआ। फिर वन क्षेत्र में योग ग्राम की स्थापना 2007 में और विशाल पतंजलि योगपीठ फेज दो की स्थापना 2008 में हुई। इन प्रकल्पों से पतंजलि विश्वविद्यालय, पतंजलि आयुर्वेदिक कालेज, पतंजलि दंत चिकित्सालय, पतंजलि नेत्र चिकित्सालय जुड़ते गए। एक विशाल गोशाला भी रामदेव ने स्थापित कराई। पतंजलि साधना केंद्र की स्थापना कर देशभर में उसकी शाखाएं खोली। साथ ही दिव्य प्रकाशन का विशाल प्रकल्प शुरू किया गया। इसके अंतर्गत दिल्ली प्रकाशन जगत के कई ख्याति प्राप्त प्रतिष्ठानों को इसमें समाहित किया गया। इसके अलावा बाबा के पास एक हेलीकॉप्टर भी है, जिसे वे अपने एक शिष्य की भेंट बताते हैं। स्वामी रामदेव ने

आचार्य बालकृष्ण के साथ मिलकर दिव्य फार्मसी, पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड, पतंजलि फूड एंड हर्बल पार्क लिमिटेड, पतंजलि हर्बल पार्क, पतंजलि आयुर्वेद रिसर्च सेंटर, पतंजलि योग रिसर्च सेंटर, अंतरराष्ट्रीय योग विज्ञान केंद्र भी स्थापित कर डाले।

हरिद्वार। बाबा के प्रतिष्ठान कुछ विवादों से भी जुड़े रहे हैं। वर्ष 2005 में 115 कर्मचारियों को जब दिव्य फार्मसी से अचानक निकाला गया, तो वामपंथी दलों ने आंदोलन शुरू कर दिया। कुछ श्रमिक संगठनों के साथ मिलकर कर्मचारियों ने हरिद्वार में रैली भी निकाली। कर्मचारियों की सुनवाई के लिए मार्क्सवादी नेता वंदा करात स्वयं खड़ी हो गईं। कर्मचारियों का आरोप था कि बाबा के प्रतिष्ठान में कई औषधियों में पशुओं व शमशान से उठाई गई हड्डियों का चूरा मिलाया जा रहा है। यह आरोप लगाने वाले कर्मचारियों को फार्मसी से निकाल दिया गया था।

## **AHIMSA, VEGETARIANISM AND ANIMAL PROTECTION ACHARYA DR. SHIV MUNI'S VIEWS ON U. P. SLAUGHTER HOUSES**



Compassion, Fraternity, live and let live and Non violence are some of the main principles of Jainism. These doctrines of Jainism were fully and wholly-heartedly adopted by the great freedom fighter and father of nation Sh. Mohan Das Karam Chand Gandhi. Walking on the strong foundation of these principles Mahatma Gandhi got India free from the cruel clutches of foreign rulers.

But, after independence the ideology of India has been changed drastically. The principle of non-violence made totally oblivious by greedy, selfish and self centered leaders of today. Accordingly, to earn foreign currency the UP Govt. has decided to open 15 modern slaughter houses to slaughter 10000 cattle in each slaughter house per day. This decision is totally unbearable for the peace, loving, worshiper of non violence and the followers of Lord Mahavira who propounded the principles of Jain ethics. Against the decision of UP Govt. a movement was started led by Jain saint Sh Maitry Prabh Sagar Ji Maharaj. UP Govt. tried to crush this movement mercilessly.

Being the Acharya of Vardhan Shwetambar Sthanakwasi Jain Sharman Sangh I appreciate, recommend the steps taken by Sh. Maitry Sagar Ji Maharaj and appeal shravaks and shravikas of Jain community to help and extend their co-operation physically, mentally and monetarily to boost the morale of the people who are trying day and night against the decision of UP Govt. I request the honorable CM of UP not to open these proposed slaughter houses in UP so that the lives of 1,50,000 cattle may be saved from the cruel butchery everyday. From: "Acharya Shree Shiv Muni Ji Maharaj Saheb" E-Mail: shivacharyaji@yahoo.co.in

## **AHIMSA RALLY ADDRESSED AT DELHI BY FORMER MINISTER MANEKA GANDHI**



The ahimsa Rally jointly organised by Jain Sangh and Vishwa Jain Sangathan against the decision of U. P. Government to establish eight new slaughter houses was addressed by the former minister in the central government, Mrs. Maneka Gandhi. She said that these highly mechanised slaughter houses are going to be a disgrace and stigma on the forehead of Indian culture. The foreign businessmen taking the shelter of political corruption in the country are going to create a massacre of innocent cattle with the help of these slaughter houses in the state. The government is not able to provide clean water to the common man but it is able to water free of cost to these slaughter houses like, Al-Kabir.

## **JAINS IN CANADA ACTIVELY SUPPORT LOKPAL BILL**

Toronto, Jun 26 : Non-Resident Indians in Canada have come out in support to social activist Anna Hazare's Jan Lokpal Bill with people holding demonstration near the Rogers Center here. The demonstrators were holding placards like "Curb Corruption: Help India", "Stop Corruption: India", "There is no Pride in Bribe" at the Centre, the place for the 12th Floriana International Indian Film Awards (IIFA), to press for their demand for enactment of the Bill. Besides, NRIs in Canada would also carry out a signature campaign in support of the issue which would be later submitted to Indian Ambassador. Sunish Uppal, Chief Organiser of Indo-Canadians Against Corruption in India, said that back home in India, a land of billions, a few thousand have waged a brave war against corruption. "Let them know you care about their cause and also let them know that this is your cause too. Our fight is to give support to them to show that they are not alone.

Mr. Sachindra Jain, a businessman in Toronto, said that they would not like to involve themselves in politics nor they are in support of Baba Ramdev but certainly, the Indians living in Canada are "concern" for Anna Hazare and have launched this agitation to support his cause. "We will be forced to hold demonstration here against in mid August if Anna Hazare goes on fast as he had announced if the Jan Lokpal Bill is not passed by then," he said. Mr Jain, who hails from Delhi, said that their main motive behind demonstration near the IIFA venue was to get the issue of corruption in India circulated among the Canadian Indians, who still have roots there and care for the motherland. Jan Lokpal Bill is under consideration before the Indian government, though there have been assurances to adopt a stringent Lokpal Bill in the next monsoon session of the Parliament.



**NEWS FROM DIGAMBAR JAIN MAHASABHA** - यूपी सरकार द्वारा जैनमुनि को जबरन धरने से उठाने पर जैन समाज ने जताया विरोध - यूपी सरकार द्वारा 9 यांत्रिक बूचड़खानों को दी गई अनुमति के विरोध में आमरण अनशन पर बैठे जैनमुनि मैत्री प्रभ सागर महाराज एवं उनके समर्थकों को जबरन उठाकर अस्पताल में भर्ती कराने से गुस्साए जैन समाज के लोगों ने देशव्यापी धरने प्रदर्शनों के माध्यम से यूपी सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध जता कर प्रदर्शन किया। इसी क्रम में दिगंबर जैन समाज के लोगों द्वारा मौन जुलूस निकालकर विरोध जताया गया। इसके बाद इन लोगो ने राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन की प्रति एसडीएम चंदगीराम झांझरिया को सौंपी। इस दौरान जैन समाज अध्यक्ष राजेंद्र कासलीवाल, पवन बाकलीवाल, नरेंद्र पाटनी, पदम चंद टोंच्या, प्रकाशचंद हल्दानिया, पूरण चंद जैन, प्रेमचंद कासलीवाल, प्रकाशचंद बाकलीवाल, मोहनलाल जैन, सुरेश भौंच, राकेश बोहरा, राजेंद्र भौंच, देवेश जैन, महिला मंडल अध्यक्ष बबीता भौंच, मीनाक्षी जैन, इंद्रा पाटनी, भगवान महावीर फाउंडेशन की प्रदेशाध्यक्ष मंजूलता जैन, इंद्रू बूचरा, संगीता पाटनी सहित बांसखोह, कानोता, दनाऊ व तूंगा सहित आसपास के गांवों से जैन समाज के लोग शामिल हुए। भगवान महावीर फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष मंजूलता जैन के अनुसार ये बात जगजाहिर है कि जैन मुनि ना तो वाहन आदि में गमन करते हैं न ही वे रात्रि में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं। ऐसे में यूपी पुलिस द्वारा मायावती सरकार के इशारे पर जैनमुनि मैत्री प्रभ सागर महाराज एवं उनके समर्थकों को रात में जबरन गाड़ी में डालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया जो जैनमुनि चार्य एवं जैन धर्म का अपमान है। यूपी सरकार के इस कृत्य के विरोध में गुरुवार को जैन समाज के लोगो द्वारा देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन किया गया। जैन समाज द्वारा जताए गए विरोध प्रदर्शन को भगवान महावीर फाउंडेशन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, बजरंगदल, युवा चेतना मंच, सामाजिक युवा संगठन संस्थान, जन जाग्रति संघ, नवजीवन सेवा संस्थान, आदिवासी मीणा सेवा संघ, अखिल भारतीय मीणा सेवा संघ सहित विभिन्न संगठनों ने अपना समर्थन दिया।

## CHINESE ACTRESS WEARS LETTUCE TO PROMOTE VEGETARIAN DIET



As meat consumption continues to rise, People for the Ethical Treatment of Animals, also known as PETA, has hired Chinese actress Gao Yuanyuan to encourage consumers to go vegetarian. Gao has become the 'Lettuce Lady', draped in a gown made of lettuce leaves and a red chili pepper necklace. Gao says she became a vegetarian in November 2009 after her dog was hospitalized for food poisoning. She promised to stop eating meat for a year if her pet survived." After going vegetarian, I feel so much lighter.

When I first started the vegetarian diet, I was not used to it and so I ate starchy foods in big amounts so I gained a little bit of weight. Still, I felt much more energetic. After that, I regained my figure and stopped gaining weight, and that has remained consistent." Vegetables have historically been a big part of the Chinese diet, but as incomes and living standards rise among China's growing middle class, more people are eating more meat. Activists say China's soaring demand for meat has resulted in various health problems.

Apart from devout Buddhists, vegetarianism has not had a strong following in China. However, recent food scandals have increased food safety awareness among Chinese consumers, sparking a small number of Chinese to adopt a meat-free diet for health, religious and environmental reasons.



## DAIRY INDUSTRY EQUALLY RESPONSIBLE FOR SLAUGHTER OF CATTLE



New Delhi – On the occasion of the march to protest the commissioning of the additional slaughterhouses in the state of Uttar Pradesh, the Federation of Indian Animal Protection organisations has asked the dairy industry to take equal liability for slaughter of cows, buffalo and their progeny and asked consumers to stop consumption of dairy products as a start, if any cows are to be saved. Cows raised for milk are typically only about 6 or 7 years old when they are sent to slaughter. They are forced to walk for days without any food or water to states where they can legally be killed. Many collapse from exhaustion and are forced to their feet by cattle drivers who rub red chilli peppers in their eyes or twist and break their tails. Cattle are loaded on and off trucks without ramps, causing injuries such as broken pelvises, legs, ribs and horns. As many as half the animals will already be dead by the time they arrive at the abattoir. Many male calves, that are of no commercial value to the dairy industry are killed for their skins.

Dairy products are linked to heart disease, diabetes and certain types of cancer in human beings and mean a sad life for cows – and usually death for their calves", says FIAPO's convener Arpan Sharma. "We urge everyone to do animals and themselves a big favour and leave cows' milk to be consumed by those for whom it was intended – baby cows." If people are truly concerned about the welfare of cows, they should stop the consumption of dairy products as a start, if any cows are to be saved.

## FORKS OVER KNIVES - A GROUND-BREAKING DOCUMENTARY



Forks Over Knives Movie Review: This ground-breaking documentary is helping audiences take a scientific journey on why a whole foods plant-based diet might be the only medicine we need. In a nation that spends trillions on health care, one film puts the power of good health back in the hands of Americans.

Forks Over Knives, Wendel's first feature-length documentary, explores the powerful correlation between diet and disease, and the conclusion is hard to dispute. The film focuses on the groundbreaking research of T. Colin Campbell, PhD, and Caldwell Esselstyn, Jr., MD. Raised to revere milk as "nature's perfect food," both men discovered alarming facts about its relation to disease, along with other animal products, through years of research. When the two finally met, the combination of Campbell's scientific data with Esselstyn's clinical trials solidified their conclusion: the Standard American Diet is killing us.

Campbell's powerful publication, The China Study, lies at the root of the film. "I knew there was a fair amount of research that whole-foods, plant-based nutrition can prevent—and in many cases reverse—disease, but I didn't know the extent of it until I read The China Study," Wendel says. In the end, he left his 14-year career in real estate, hired the most talented film crew he could find, and set out to make Forks Over Knives. Lee Fulkerson, writer and director, was hesitant to join the project at first. At the time, Fulkerson's own diet consisted of multiple energy drinks and sodas—approximately four for breakfast—to make it through his hectic days, until dinnertime delivered a fast-food double cheeseburger, onion rings, and chocolate shake. In an unexpected twist, Fulkerson joins the ranks of the film's "reality patients," seeking to improve his own well-being.

Joey Aucoin is featured patient who adopts a plant-based diet in the film, beginning the experiment with a laundry list of ailments, including high cholesterol (320 to be exact), type 2 diabetes, and high risk for both heart attack and stroke. His medication set him back roughly \$200 a month, in addition to the cost of his health insurance. He embodied one of the film's featured proverbs: "One-quarter of what you eat keeps you alive. The other three-quarters keeps your doctor alive." At the end of his trial, Aucoin had lost weight, lowered his cholesterol, blood pressure, and blood sugars, and successfully ditched all nine drugs he was taking.

The patients' personalities paired with an intimate look at the lives of Campbell and Esselstyn give the film a relatable, anecdotal edge to gently guide viewers through the compelling science. "We wanted to tell stories, because that's how information sticks with people. We didn't want to have a talking-heads documentary," Wendel says. As production of the film proceeded, similar changes began spreading through the rest of the crew. Every person on the core team adopted a

plant-based diet, including the producer, co-producer, and interns. Based on the omnivorous crew's initial reactions, as well as the positive response at screenings, Forks Over Knives is striking a chord. Courtesy: Dr. Sulekh C. Jain, Houston, Texas, USA. 832 594 8005 (cell).

### **JAINS TO SPREAD THE MESSAGE OF SAVING COWS**

The members of Jain community in the city will be organizing an 'Ahimsa Rath' next month. Their main aim behind this rath is to spread the message of saving those cows which are being slaughtered on a daily basis. The workers of the Ahimsa Sangh will be going in groups of approximately 12 members to various states like Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Rajasthan and Gujarat to educate the farmers on issues like how they need to take care of their cows and should not sell of their animal to someone just for the sake of money. A large number of cows are seen to be coming to the city in order to be slaughtered from states like UP, MP, Rajasthan and Gujarat. When the farmers from these states are going through some hard times, they easily sell off their animals to butchers for a particular amount who then in turn slaughters the innocent animal.

Through this yatra, we would be going to each and every village in these states and educate the farmers on how they should take care of their animal. We would be telling them to not to sell their animal especially for such kind of purposes," says Rajesh Jain, a member of the Akhil Bhartiya Kattalkhana Evam Hinsa Virodh Samiti. A miniature model of the rath has already been prepared by a community member from Turbhe who is an artist by himself. The members of the Samiti are looking at taking with them a statue of the cow and a projector screen too through which they would be educating the farmers. "Although only 3-4 people would be able to sit in the rath, but our main aim is to fit the equipment in the rath so that the workers need not carry it and walk. Our main aim of spreading the message to stop the cows from being slaughtered is what we are keen on," adds Jain. The member from Turbhe who made the miniature model would be involved in preparing the actual rath too. Courtesy: Satyesh Bhandari, Petroleum Business (E & P), RIL,1st Floor, A Wing, Building No 12, Reliance Corporate Park (RCP), Ghansoli, Thane Belapur Road, Navi Mumbai 400701, India, Phone: 00912244785074, Fax: 00912244710075, Mobile 00919967584853.

### **JAIN TEMPLE NEWS**

#### **GROUND BREAKING-CEREMONY FOR OHIO (US) JAIN TEMPLE**

Columbus, Ohio: June 21st was a very auspicious day for the Jain center of Central Ohio for ground- breaking ceremony for building its own temple. JCOCO is a small and vibrant Jain community of Columbus- Central Ohio which was founded in 1991. Since its beginning it has desired to build its own temple. Now it's a dream come true. The temple would be completed within next twelve month. This will be a traditional temple with a built in area of about 7600 square feet with mool nayak moorti of Adinath Bhagwaan, Parswanath Bhagwaan, both Swetambar and Mahavira Swami Bhagwaan as Digamber moorti. There will be an Upasra where people can perform samayika, meditation, etc. The center has received total pledge of over \$750,000 from about 49 families. The budget for temple is about \$1,900,000 (including land worth \$300,000 which has been paid in full). For further details, please contact: Dr. Tansukh Salgia, E-Mail : jainunity@yahoo.com

#### **FOUNDATION LAID FOR BHAGWAN AADINATH JAIN TEMPLE IN CANADA**



Canada, June 4, 2011: Hundreds of devotees lined up with their own bricks to lay the foundation of Bhagwan 1008 Aadinatha Jain Temple being built on Mayfield Road in Brampton, on land donated by the Gyan Jain family. His Holiness Bhattarka Charukirti Ji and Pandit Dharm Chand Sastri conducted the special religious pooja to purify the land and lay the foundation stones. This will be the first Jain temple of its kind in Canada, with the idol of Bhagwan Aadinath, the first tirthankar of this era, to be installed.

An elders' home and a hospital are to form part of the complex.

#### **JAIN TEMPLE AT PANCHKULA TO HAVE TALLEST IDOL OF BHAGWAN PARSHWA NATH**

Chandigarh, Jain tourism is going to be enhanced by the new Jain idol that will be built in Panchkula. The 23rd Tirthankar Bhagwan Parshvanath idol is being installed in a new temple in Sector 18. The idol will be 7.3 feet and installed by the middle of March. 1,008 cobras will be a part of the idol and water will be come out of each cobra, making the idol statue very unique and attractive. Upadhyayshri Guptisagar Ji, one of most revered scholars and saints of Digambar Jain's, revealed that the artisans took over six months to make the idol. The statue is made out of black marble from Makrana in Rajasthan and the throne of the idol has intricate artistic work on it. However, the most attractive feature of the idol are the cobras with water fountains. Guptisagar Ji, will walk down from Madhya Pradesh to install and consecrate the idol sometime in March at Panchkula. The saint is a pioneer of Jain school and has 30 publications credited to him in which he focuses on public welfare. He is known for not sleeping even 3 hours a day.

## ALARM OVER CRASH OF CEILING AT MOOBBIDRI JAIN TEMPLE



The temple-town at Moodbidri known as Jain Kashi, draws hundreds of pilgrims from all over India and abroad every day. Recently, the ceiling slab on the right hand side of the Bhairadevi Mantap in the precincts of the famed, historical Thousand-pillar Basadi crashed to the ground. Though the basadi is known so by its common name, its original name is Tribhuvana Tilaka Choodamani Chaityalaya, built, as the inscriptions therein say, between 1429 and 1462 AD. Over the centuries, it has stood the test of time and withstood all elements of nature like rain, sun, storm and lightning. Swasti Shri Bhattaraka Charukirti Panditacharyavarya Swami Ji of the Moodbidri Jain Math convened a media meet to apprise the public of the situation and the damage. The Bhairadevi mantap, got built in her name by queen Bhairadevi of Bhairanakote, Bhatkal in 1462, lies at the entrance of the basadi. Shockingly, a part of the ceiling slab came off. Besides, the monolithic pillar, called maana-sthambha, has developed crack, perhaps caused by lightning.

### JAIN SAINTS

#### BOMBAY HIGH COURT TO DECIDE ON JAIN CHILD DIKSHA ON AUGUST 23

The Bombay high court posted for August 23 the final hearing of a petition on the controversial issue of child diksha, which came into the limelight after an 8-year-old opted for it in March 2004. A division bench of Justice Ranjana Desai and Justice RV More was hearing a petition filed by Ashok Bagricha and several others. It also sought the assistance of additional solicitor general Darius Khambata and advocate general Ravi Kadam on this "sensitive issue". The 2004 incident was brought to the notice of the Child Welfare Committee by an NGO called Childline. In July 2006, the HC directed the CWC to find whether she had taken diksha voluntarily or was forced. The CWC reported that the young girl needs care. Her parents challenged the CWC's order in the high court, which stayed the CWC order. In September 2008, a bench of the court compared child diksha with sati. "No religion can allow a minor to become a sadhu. It's as bad as sati pratha and there should be some law to prevent minors from taking diksha," a bench headed by justice PB Majmudar had observed.

The judges also said that in such matters, the court should appoint someone as a guardian and to decide the issue. "Under the provisions of law, the court is the ultimate guardian of every minor. If we do not protect the rights of this minor child, we will fail in our duty," the bench added. The court-appointed committee interviewed the girl at a Jain temple in Juhu in September 2008. The committee observed that prima-facie "giving diksha to the child sadhvi Ji is a positive volition on her part at the time the decision was taken for her and an absence of thinking about the consequences by and for her".

### राष्ट्रपति को दी आचार्य विद्यासागर की पुस्तक 'द साइलेंट अर्थ'



नई दिल्ली ! राष्ट्रपति भवन में आयोजित सादगी भरे एक समारोह में कल राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल को तपस्वी दार्शनिक संत आचार्य विद्यासागर द्वारा लिखित कालजयी हिन्दी महाकाव्य मूकमाटी के अंग्रेजी रपांतरण 'द साइलेंट अर्थ' की प्रथम प्रति भेंट की गयी। राष्ट्रपति भवन उस समय तालियों से गूँज उठा जब राष्ट्रपति ने वहां एकत्रित श्रद्धालुओं का जैन अभिवादन परंपरा जय जितेन्द्र से किया। इस अवसर पर बड़ी तादाद में श्रद्धालु तथा साधु उपस्थित थे। पुस्तक की प्रथम प्रति सर्वश्री अशोक पाटनी, अभिनंदन जैन तथा एनके जैन ने भेंट की। इस अवसर पर राष्ट्रपति का स्वागत करते हुये फिल्मकार अनुपमा जैन ने कहा कि आचार्य श्री के प्रत्यक्ष

आभामंडल राष्ट्रपति भवन में साक्षात अवतरित हुआ है और इस आलोक में देश की प्रथम नागरिक को आचार्य श्री की पुस्तक भेंट की जा रही है। उन्होंने कहा कि आचार्य श्री का जीवन सत्य, कल्याण से जन कल्याण की यात्रा है। घोर तपस्या, चिन्तन मनन के साथ - साथ वह एक प्रबुद्ध तथा संवेदनशील दार्शनिक लेखक हैं। यह आचार्य श्री की संवेदनशीलता है कि उन्होंने माटी जैसी पद दलित एवं व्यथित वस्तु को महाकाव्य का विषय बना कर उसकी मूक वेदना और मुक्ति की आंकक्षा को वाणी दी। उन्होंने कहा कि दरअसल यह महाकाव्य स्वयं को और अपने भविष्य को समझने की नयी दृष्टि देता है और दलितों और शोषितों को उत्थान की आस देता है कि कुंभकार किस तरह मिट्टी को शुद्ध बना कर उसे मंदिर का पवित्र कलश बनाने की क्षमता रखता है। सुश्री जैन ने कहा कि यह महाकाव्य कर्म के बंधनों से आत्मा की भक्ति यात्रा तमाम विकृतियां मिटाकर प्रभु से एकाकार होने की यात्रा पर्व है। पुस्तक अंग्रेजी,

बंगला, मराठी, कन्नड में अनुदित हो चुकी है तथा लगभग 40 शोधकर्ता इस पर पीएचडी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आचार्य श्री का जीवन स्वयं ही दर्शन है। उनका कहना है अहिंसा कायर नहीं कर्तव्य निष्ठा बनाती है। राजनीति जब धर्म से जुड़ जाती है तो साधना हो जाती है। जीवन एक केन्वास है यह हम पर है हम उसमें कैसा रंग भरे। उन्होंने कहा कि गुरुवर आज के दौर के विलक्षण संत हैं। उनका तप अप्रतिम है। कठोर दिगंबर जैन चर्या का पालन करते हुए बीसियों सालों से न नमक खाया, न चीनी। हजारों किमी की नंगे पांव यात्रा करते हुए जंगल जंगल भटके। कठोर तपस्या, जन कल्याण, स्वास्थ्य मनन, चिंतन के साथ सतत लेखन अदभुत है। उनके संघ में अधिकतर उच्च शिक्षा प्राप्त एमएबीएमटेक, मेडिकोज एम बी ए तथा उच्चाधिकारी शामिल हैं जो संसारिक सुख त्याग कठिन तप साधना में रत हैं। आचार्य लगभग एक दर्जन से अधिक आध्यात्मिक व साहित्यिक ग्रंथ लिख चुके हैं जिनका संस्कृत, अंग्रेजी, हिंदी में अनुवाद हो चुका है। Courtesy: Mr. Yashwant Malaiya, E-Mail: ymalaiya@yahoo.com

### MEWAR-JYOTI DR. CHANDNA JI MAHARAJ HONOURED AS 'PRAVARTINI'



Highly out-spoken and scholar Jain sadhvi Dr. Chandana Ji Maharaj, belonging to Shwetambar Sthanakwasi Shraman Sangh was honoured with the title of 'Pravartini' by the Acharya Dr. Shiv Muni on the 29th May, 2011 at a specially-arranged function at Rana Pratap Bagh Jain Sthanak in Delhi in the presence of eminent persons from Jain community.

### FESTIVAL, SEMINAR & CONVENTION NEWS 16TH JAINA CONFERENCE AT HOUSTON



Jaina Association in North America is holding 16th Jaina Convention at Houston, TXUSA between 1st July to 4th July 2011. JAINA is leveraging its brand, key relationships and social media technology to organize and facilitate an intercontinental network of global Jain community leaders. They propose to identify common needs, share best practices, and synthesize collaborative solutions to address concerns ranging from instilling common Jain identity in new Diasporic generations, for promoting awareness of non-violence and interfaith harmony on the world stage, and to broaden participation in Jivdaya, environmental and disaster relief programs in affected countries as well as in India. They have requested people to join them in forming an integrated platform to share, celebrate and advance their vision of The Global Jain!. Convention Theme: "Live and Help Live", Convention Site: George R. Brown Convention Center, Downtown, Convention Highlights: "Jains Got Talent Com" petition.

#### Main objects of Conference

- 1) To bring together Jain community leaders from around the world, and thereby drive greater unity and cohesiveness in the global Jain community.
- 2) To Leverage Jain's common identity and perspectives by the open interchange of information about each organization's mission, activities, successes and Challenges.
- 3) To identify constructive ways for Jain Diaspora communities to work together.

### CONFERENCE ON "RACIAL DISCRIMINATION AND HUMAN RIGHTS" TO BE HELD IN NEW YORK

The forth coming international seminar of Global Foundation for Humanitarian Affairs (GFHA) is scheduled for July 11th to 16th 2011. The first Phase will be held at Elm Croft Manor New York City USA, and then from July 18th to 23rd 2011, Second phase at Lagasca Madrid Spain. The theme of the forth coming conference is, Racial Discrimination and Human Rights. Organizers are inviting delegates to are make paper presentation. GFHA will be providing all delegates with to and fro Air ticket and also visa's guidance for the seminar purpose. Contact the organizing secretary Mrs. Mia Alex Noah for more information. E-Mail: g.f.h.a.info@globomail.com, Global Foundation for Humanitarian Affairs (GFHA)

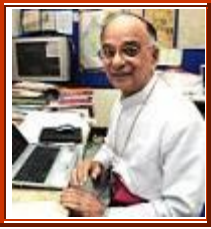
### WELCOME TO THE FIFTH ANNUAL DYSFERLIN CONFERENCE

The Jain Foundation is holding Fifth Annual Dysferlin Conference at the Doubletree Hilton Magnificent Mile in Chicago, IL, USA from July 11 through July 14. The Jain Foundation Dysferlin Conference is the only meeting of its kind and focuses specifically on Dysferlin and the related diseases caused by mutations in Dysferlin. The Dysferlin conference includes presentations from leading international scientists on the most up to date information (mostly unpublished) regarding the state of Dysferlin research, significant time for discussions and collaborations, as well as various poster sessions. Conference encourages researchers and clinicians interested in Dysferlin research or with Dysferlin related data to register and submit an abstract. Attendance is limited and all registrations must be approved by the Jain Foundation. Preference is given to those giving oral or poster presentations.



## SPECIAL HONOUR RECIPIENTS OF THE MONTH

### GUWAHATI ARCHBISHOP THOMAS MENAMPARAMPIL NOMINATED FOR NOBEL PEACE PRIZE



Jun 13 : Archbishop of Guwahati Thomas Menamparampil has been nominated for the Nobel Peace Prize in recognition of his initiatives to bring peace among ethnic communities of the North East. The Archbishop's name has been nominated by a popular Italian magazine 'Il Bollettino Salesiano' which also published a four-page story on Menamparampil in its June edition titled 'A Bishop for Nobel Prize'. During the last fifteen years, Menamparampil has successfully led seven major peace initiatives -- Bodo-Adivasi in 1996, Kuki-Paite in 1998, Dimasa-Hmar in 2003, Karbi-Kuki in 2003, Dimasa-Karbi in 2004, Bodo-Muslim at Udalguri in 2010 and Rabha-Garo in 2011. "The people associated with Church negotiating peace in a conflict situation may not be considered a politically correct act, but when Church leaders and eminent citizens from warring factions join me in the conflict resolution process, it is making the Word of God come alive in the lives of people," he said. Ahimsa Foundation Congratulates Archbishop of Thomas Menamparampil of Gauhati, Assam, on being nominated for Noble Peace Prize.

### POSTAL STAMP RELEASED ON MAHASATI SHRI UMRAON KUNWAR JI MAHARAJ 'ARCHANA'



Mahasadhwi-Ratna Kashmir-Pracharika Shree Umraon Kunwar Ji Maharaj 'Archana', disciple of Shri Mishri Lal Ji Maharaj belonging to Shwetambar Sthanakwasi Shraman Sangh was honoured by the postal department of Government of India by releasing a postal stamp worth Rs. 5/- on her. The stamp was released at Archana Mukthi Dham & Vradhsaram Foyasagar Ajmer on 30th April 2011 By Honourable Union Minister for Information & Broadcasting Sri Sachin Pilot in presence of

eminent persons of Jain community. It is the first time in the history of India that the postal department has honoured a Jain sadhwi by issuing a postage stamp on her. Many eminent persons from Jain Community were present on the occasion. Shri Mahendra Raj Ji represented the postal department in the function and he opened a counter there for the sale of these stamps. Courtesy: Vijayraj Chordia Jain, Nokha, Merta Cty, Nagore Dist. Rajasthan Tele : 9448158274.

### GOVT. TO ISSUE POSTAL STAMP ON DR. DULAT SINGH KOTHARI



India Post is going to issue a commemorative stamp on famous Jain personality Dr. Daulat Singh Kothari on 6th July 2011. This will be the second stamp on Jainism theme in the year 2011. Dr. Daulat Singh Kothari was an outstanding scientist, great educationist and architect of defence science in India. He had the highest regard for truth and non-violence. e was born in Udaipur in Rajasthan state. He had his early education at Udaipur and Indore and did MSC in physics from Allahabad University inn 1928 under guidance of great physicist Megh Nad Saha. He worked in Delhi University from 1934 to 1961 in various capacities as reader, professor and Head of the Physics department. He was scientific advisor to Ministry of defence from 1948 to 1961. He was appointed as chairperson of University Grants Commission in 1961 where he worked till 1973. DS Kothari was General president of the Indian Science Congress at its golden jubilee session in 1963. He was elected President of Indian National Science Academy in 1973. His notable research on Statistical Thermodynamics and Theory of White Dwarf Stars gave him international reputation. The Padma Bhushan Award was conferred on him in 1962, and the Padma Vibhushan Award in 1973. Courtesy : Sudhir Jain, E-Mail : mrsudhirjain@yahoo.com

### AMIT JAIN APPOINTED AS COUNTRY DIRECTOR OF AKZO NOBEL INDIA



Akzo Nobel, a global paints and coatings company and a major producer of specialty chemicals has announced the appointment of Amit Jain as Country Director for its India operations. In his new assignment, Jain will be supported by an experienced and strong Country Leadership Team. Commenting on his new appointment, Jain said, "A country specific approach for India is a testimony to AkzoNobel's intense focus on emerging markets and reflects on its recognition of India as a major growth contributor." He further said, "The collective efforts of the team will help us achieve our target of being a €1 billion company in India."

AkzoNobel's portfolio includes well known brands such as Dulux, Sikkens, International and Eka. Headquartered in

Amsterdam, the Netherlands, AkzoNobel is a Fortune 500 company. With operations in more than 80 countries, AkzoNobel has a staff strength of 55,000 people around the world, delivering 'Tomorrow's Answers Today', a trademark of the company.

## READERS' VIEWS

Slaughter houses are the result of dairy product consumption -- I am pleased to see the Jain community get active in these issues. I am in no way criticizing this community action, but we should keep in mind that the slaughter houses are the result of dairy product consumption. Many years ago, when I was preparing a business plan for a dairy operation in India, I learned that all dairy operations sell their "uneconomical" cows. What do people think happens to these animals? I thought people may be interested in this Federation of Indian Animal Protection Organisations (FIAPO) press release regarding this subject, I have copied it below. Sanjay.

## CHATURMAS 2011 NEWS

**CHATURMAS NEWS: DIGAMBAR SECT** - Acharya Shri Padam Nandi Ji Maharaj: Ayad, Dist. Udaipur, Rajasthan 2. Acharya Shri Kanak Nandi Ji Maharaj: Semari, Dist. Udaipur 3. Upadhyay Shri Gyan Sagar Ji Maharaj: Surat at Parle point, Shri Chanda Prabhu Jain temple. 4. Upadhyay Shri Samta Sagar Ji Maharaj: Seepur, Dist. Udaipur. Tarun Sagar - Udaipur :

**SWETAMBAR STHANAKWASI SECT** - Acharya Dr. Shiv Muni and group at Arihant Nagar, New Delhi; Upadhyay Shri Ramesh Muni, Dr. Rajendra Muni, Shri Surendra Muni and Shri Deepesh Muni at Rishabh Vihar, New Delhi; Shri Dinesh Muni, Dr. Shri Dipendra Muni and Shri Pushpendra Muni at Surat,

## SHWETAMBAR MURTI-PUJAK SECT

Acharya Shri Mukti prabh Suri Ji and Upadhyay Dr. Muni prabha Suri Ji Maharaj:Pipli Bazar, Indore, Maha-Sadhwi Shri Maniprabha Ji maharaj and others: Jodhpur

For information about Chaturmas destination of about 15000 saints of all Jain Sects, you can refer Chaturmas directory published by Sri Babula Jain, 1058, Tirupati Appartments Aakurli Cross Road, Kandivlee - East, Mumbai, Mobile No. 932421278.

## PERSONALITY OF THE MONTH

**REKHA JAIN** - Her active involvement with Indian People's Theatre Association as an artiste shaped her creative vision, her modesty and affability enabled her to establish friendly rapport with children. In the course of her long journey into the world of children theatre, she had written and staged a number of plays for children which they simply loved to watch. Rekha Jain's most important work is the establishment of Umang, a children's theatre group, in 1979, which took the shape of children theatre movement. After her demise, her family members, who are themselves creative persons, are keeping alive Umang with the same dedication Rekha Jain worked. It has instituted an award in her memory which is being given every year to an outstanding children theatre artiste.



True to its long established tradition of conducting summer theatre workshop culminating in a public show, this year's "Gopu Ganesh Jhumjhum Haathi" was staged at Kamani auditorium last week. The play is directed by K.G. Krishnamurti, who emphasised on the process-orientation rather than on performance orientation which gave children the feel of playing rather than doing the tedious job of performing in a well-made play. There was enough room for children for improvisation. What really delighted the audience was that children of different age group enacted their roles with enthusiasm and spontaneity, establishing lively rapport with the audience – mainly children and their parents. Written by Vaidehi in Kannada and translated into Hindi by Kuldeep Singh Saingar and K.G. Krishnamurti, "Gopu Ganesh Jhumjhum Haathi" reveals the friendship between a boy called Gopu Ganesh and an elephant, Jhumjhum.

Various thematic elements like encroachment on the habitats of animals, the menace of unscrupulous poachers on the rare animals. It has also elements from the Arabian tale of Alibaba and Forty Thieves. There are also caricatures of inapt policemen – all these elements are well-woven into the storyline which is cohesive and unfolds logically. It entertains as well as educates.

After watching "Gopu Ganesh Jhumjhum Haathi" one comes out of the auditorium with the assured feeling that Umang is now in the competent hands dedicated to carry forward the legacy of Rekha Jain.

## MISCELLANEOUS NEWS CLIPPINGS

### A WELCOME ADDITION IN THE DIVINE LIBRARY OF JAINISM



Nila Shah, a young, energetic and devoted Jain lady from the city of London made her mark by presenting something very valuable in the gracious presence of Jain ascetics and scholars from all over the world. The ceremony of launching a set of two DVDs was held in the prestigious venue of Brunei Gallery in The School of Oriental and African Studies in London. The date was 18th March 2011. There, in the presence of dignitaries from all walks of life, Pujya Samanijis from Ladnun in India, Dr Vinod Kapashi, a Jain Scholar and Dr Peter Flugel (Head of Jaina Studies, SOAS) launched the set of two DVDs explaining the Jina worship. This set of professionally produced DVDs was launched with much joy and pride.

It is a truly inspiring set of two DVDs with very impressive stunning pictures, lucid explanation and beautifully rendered songs. I am not exaggerating when I say that I have not come across such a professionally produced material in recent times. The DVD Set is aptly named as 'Jina Worship' and it has two DVDs and a booklet of explanatory material. This set is available in English, Gujarati and Hindi languages.

Both the DVDs are produced in India. The filming is done at many important locations and the Puja vidhi is explained with precise details and with simple explanations. Background songs are beautifully sung and added. The producers 'Rushabh Creations' deserve our thanks and congratulations. But how can we forget the two most important people behind this project: Concept is by Raju R Mehta and Presentation of initial material by Nila Shah. They deserve all the support we can give. I myself wholeheartedly recommend this set of DVDs. This is not just for children or those who want to know about Jin Darshan and puja ritual, but it is for all who want to know, who want to learn and who are interested in carrying out research in Jainism.

These DVDs truly lights the lamp (dipak) of knowledge at our doorstep which will enlighten all of us.

Please contact Rushabh Creation for any details/ purchase: Raju R. Mehta (Mumbai): 09820888552, Nila Shah (UK): +44 7824506217.

### SAHU JAIN TRUST OFFER SCHOLARSHIPS

Sahu Shanti Pd. Jain & Smt. Rama Jain established charitable trust offers regular Scholarships and Educational" Loans. Details & application forms can be collected from secretary, Jain Trust ,18 Institutional Area, Lodhi Road, New Delhi - 110003.

### JAIN VARSITY OFFERS COURSE FOR BUDDING ENTREPRENEURS



The Jain Group of Institutions has tied up with Heimerer School in Germany and the Asian Institute of Management (AIM), Philippines, for its entrepreneurship programme IDEA. Students from the programme will travel to China and Hong Kong to understand and learn how China is powering itself through entrepreneurship and invading global markets. They will get insights into China's business models and exposure to the industries along with local business practices. Jain officials said students would visit the Chamber of Commerce in Germany, interact with entrepreneurs, business professionals and communities, as well as visit established companies to get a ringside view of their operations. The iDEA programme is spread across three phases of 10 months, eight months and 12 months. In the first phase, students will be trained on planning business ventures, while the second phase consists of a seven-country business tour. In the last phase, the student business is incubated with 100 per cent funding and mentoring.

### SPREAD OF JAINISM OUTSIDE INDIA

Jainism started spreading its tentacles outside India in the middle of 19th century. However its traces could be found there even in the early period. It is found that Auradhapura a place of pilgrimage in Srilanka islands and an abode of Buddhism with viharas, was also a place of Jaina Basadis. Further Janakapuri (Mithilanagari) in Nepal were historically the birth place of Bhagawan Sri Neminatha and Sri Mallinatha, the 22nd and 19th Tirthankaras and thus possibly was the bed of Jainism. Sri Vishvambaranatha Pandya who was the governor of Orissa has mentioned Leningrad and Tashkent in Russia showed

the heritage of Jainism. Jain saint Muni Manibhadra visited Tashkent. A Jain idol belonging to the 16-17th century was found during excavation in a place called Astrakan near Caspian Sea of Soviet Union. Dukobarsi, an ethnological group in Russia in 18th century were known for following the principles of Jainism (Peace and Non Violence).

It is said that Jainism was found in specks in Egypt - Babylon, Alexandria and Greece. The idols, inscriptions, copper plates and picturesque documentations narrating the heritage of Jainism are found in the museums of Switzerland, East Germany, England, America and Denmark. The ardent followers of Jainism (Digambara, Swethambara, Sthanikavasi, Terapanthi and Oswal) have constructed many temples in Afro-Asian and European countries in the recent past. Kenya, Japan, Canada, West Germany, Britain, Singapore and America. The beckon of ahimsa and the axioms of Jain principles have spread all over the globe striving for the cause of humanity.

### JULY 2011 - DR. RAJENDRA MUNI, NEW DELHI



S. No.	Date	Parv	Hindi Dates
1	06.07.2011	Mahavir Swami Chyawan Kalyanak	Asadhasudi- 06
2	08.07.2011	Aristhnath Swami Moksh Kalyanak	Asadhasudi- 08
3	14.07.2011	Vasupujya Swami Moksh Kalyanak	Asadhsudi- 14
4	14.07.2011	Chatumas Prarambh	Asadh sudi - 14
5	14.07.2011	Pakshik Prava	Asadhsudi- 14
6	14.07.2011	Pakshik Prava	Shravanawadi - 14
7	18.07.2011	Sheyannath Moksh Kalyanak	Shravana wadi-03
8	22.07.2011	Anantnath Chyawan Kalyanak	Shravana wadi-07
9	23.07.2011	Neminath Janm Kalyanak	Shravanawadi - 08
10	24.07.2011	Kunthunath Chyawan Kalyanak	Shravanawadi- 09
11	27.07.2011	Amrit Sidhi yog	
12	29.07.2011	Pakshik Prava	Shravanawadi -14
13	31.07.2011	Acharya Anand Risiji Jyanti	Shravanawadi - 01

### DEVLOK GAMAN OF SAINTS

#### JANAK MUNI CREMATED IN OPEN PLOT, BMC NOD TO FOLLOW!



It took about six months for the civic body to allow the cremation of a Jain Shadhu (priest) on a private open ground in Ghatkopar. After his cremation on January 11, the civic body has now permitted it post facto. However, the Vardhaman Sthanakwasi Jain Shravak Sangh, a community body, has now demanded that a separate space be allotted to cremate Jain priests. Janak Muni Maharaj Shaheb died at 77 on December 30, 2010. The Jain Shrivak Sangh wanted to cremate him on open land and not at the usual crematorium. The Shrivak Sangh of Ghatkopar performed the last rites at Somaiya Trust Ground, Ghatkopar (East). According to section 437 of the BMC Act, no can use private land, which is not being used for cremation, for such purpose. Only the civic commissioner has the power to allow such rites, assuming the civic general body's permission. The Hingwala Lane Shrivak Sangh had asked permission from the civic ward office immediately after the priest's death on December 30 last year, at 8.57am. It submitted documents showing ownership of the Somaiya Trust, along with a no-objection certificate from the Trust and local police, and Janak Muni's death certificate. After submitting all the required documents, the Shrivak Sangh completed the rituals. Now, the health committee has approved the proposal in its meeting.

According to the Jain Shrivak Sangh, priests cannot be cremated at the usual crematorium since they are cremated in a sitting position. "While cremating any Jain priest, we need fresh land where no one has been cremated before. This is also a reason why we are demanding open space for this purpose," Jain said. Pravin Chheda, local corporator, also supported the Jain Shrivak Sangh's demand. "There is no provision for these priests in the BMC's crematorium. So they have to provide the facility or make available a separate place.

**Mahasadhwi Shri Umesh Ji Maharaj**, disciple of Masadhwi Shri Savitri Ji Maharaj breathed her last on the 23rd may, 2011 at Ludhiana. She had been admitted to C. M. C. hospital due to her deteriorating condition and prolonged illness. The funeral procession, attended by a large number of devotees, was taken out through the main streets of the town on the next day. The office-bearers of Jain conference to offer their condolences.



Watch 60 Videos on youtube of Balkavi Aaditya Jain (National Poet & Writer )  
From: "Balkavi Aaditya" E-Mail: balkaviaaditya01@gmail.com

**DISCLAIMER - Although AHIMSA TIMES NEWS** uses its best efforts to ensure the accuracy of the content on the site, sometimes, errors, mistakes or inaccuracies may creep in inadvertently. We make no guarantees as to the accuracy, correctness or reliability of the contents. We may also change the content of this site, at any time, without prior notice. In no event shall Ahimsa Times be liable to anyone for any damages of any kind arising out of or in connection with the use of this service. You agree to indemnify and hold Ahimsa Times harmless from any and all claims, liabilities, damages, costs and expenses including lawyer's fees, arising from any use of any information from this. We also request all over readers to inform us of any inaccuracies, omissions and errors etc. noticed by them so that necessary corrections can be timely incorporated.

**WE HEARTILY WELCOME FOLLOWING NEW MEMBERS WHO HAVE JOINED  
WWW.JAINSAMAJ.ORG DURING THE MONTH OF JUNE 2011**

1. Manek Lal Shiroia,Swetambar,Navsari,Gujarat,Consultancy
2. Sanjay Kumar Jaiswal,Digambar,Jaipur,Rajasthan,Others
3. Manoj Kumar Gulgulia,Swetambar,Surat,Gujarat,Others
4. Dilip Dongaonkar,Digambar,Akola,Maharashtra,Retired
5. Piyush Jain,Swetambar,Indore,Madhya Pradesh,Finance
6. Vikas Jain,Digambar,Saharanpur,Uttar Pradesh,Others
7. Mohit Jain,Digambar,Firozabad,Uttar Pradesh,Service
8. Akhilesh Kothari,Swetambar,Mumbai,Maharashtra,Finance
9. Anurag Jain,Digambar,Firozabad,Uttar Pradesh,Service
10. Dhirish Kamdar,Swetambar,Rajkot,Gujarat,Industrialist
11. Sanjay Jain,Swetambar,Rana Partap Bagh,Delhi,Business
12. Ravindra Changediya,Swetambar,Ahmadnagar,Maharashtra,Business
13. Suyog Gulalkari,Digambar,Amravati,Maharashtra,Business
14. Ashok Patni,Digambar,Jaipur,Rajasthan,Service
15. Prafful Jain,Swetambar,Nagaur,Rajasthan,Student
16. Rohit Nahar,Swetambar,Aurangabad,Maharashtra,Student
17. Mukesh Kumar Jain,Digambar,Agra,Uttar Pradesh,Service
18. Pankaj Bedmutha,Swetambar,Dhule,Maharashtra,Service
19. Shripal Chand Bangani,Swetambar,Nagaur,Rajasthan,Business
20. Sunil Jain,Swetambar,Indore,Madhya Pradesh,Service
21. Shashank Shah,Digambar,Mumbai,Maharashtra,Engineer
22. Sanjeev Jain,Swetambar,Pitampura,Delhi,Business
23. Rahul Naik,Digambar,Pune,Maharashtra,Engineer
24. Santosh Bhagwate,Digambar,Umarkhed,Maharashtra,Government
25. Neeraj Dhing,Swetambar,Udaipur,Rajasthan,Service
26. Pusp Raj Bohra,Swetambar,Jodhpur,Rajasthan,Business
27. Sanyam Jain,Digambar,Noida,Uttar Pradesh,Engineer
28. Poonam Chand Mahanot,Swetambar,Hooghly,West Bengal,Service
29. Gautam Jain,Swetambar,Dhule,Maharashtra,Business
30. Jayanti Doshi,Swetambar,Sanchore,Rajasthan,Business
31. Ramesh P. Chordia,Swetambar,Coonoor,Tamilnadu,Business
32. Manoj Bedmutha,Swetambar,Pune,Maharashtra,Engineer
33. Abhishek Bafana,Swetambar,Mumbai,Maharashtra,Business
34. Arun Kumar Bhamawat,Swetambar,Neemuch,Madhya Pradesh,Service
35. Dharmendra Kumar Bothra,Swetambar,Bhubaneswar,Odissa,Business
36. Kunal Sonigara,Swetambar,Ahmedabad,Gujarat,Business

**World Jain Directory**  
Place request to add your  
free listing in  
World's largest Jain  
Directory on  
[www.jainsamaj.org](http://www.jainsamaj.org)  
Click here to submit  
**FORM**

37. Anand Kumar Jain, Digambar, Kolkata, West Bengal, Arts
38. Lata Bafna, Swetambar, Mumbai, Maharashtra, Consultancy
39. Rajesh Jain, Swetambar, Banswara, Rajasthan, Finance
40. Nitin Bafna, Digambar, Amravati, Maharashtra, Medical
41. Chirag Shah, Swetambar, Surat, Gujarat, Service
42. Sachin Jain, Swetambar, Ludhiana, Punjab, Business
43. Umesh Kumar Jain, Digambar, Meerut, Uttar Pradesh, Service
44. Lomini Golechha, Swetambar, Nagpur, Maharashtra, Student
45. Sanjay Kumar Surana, Swetambar, Indore, Madhya Pradesh, Engineer
46. Sumant Bachhawat, Swetambar, Kolkata, West Bengal, Service
47. Rajesh Jain, Swetambar, Jalandhar, Punjab, Industrialist
48. Nitesh Shah, Swetambar, Hyderabad, Andhra Pradesh, Others
49. Rajesh Kumar Jain, Digambar, Indore, Madhya Pradesh, Others
50. Pankaj Patni, Swetambar, Malkapur, Maharashtra, Service
51. Yogesh Jain, Swetambar, Satara, Maharashtra, Business
52. Khushboo Chourdiya, Swetambar, Rajnandgaon, Chandigarh, Student
53. Chandra Prakash Mohnot, Swetambar, Jodhpur, Rajasthan, Arts
54. Surendra Chhalani, Swetambar, Faridabad, Haryana, Service
55. Lalit Kumar Kataria, Swetambar, Chennai, Tamilnadu, Business
56. Ashvin Mehta, Swetambar, Kampala, Uganda, Service
57. Shanti Lal Parakh, Swetambar, Pune, Maharashtra, Academics
58. Shailesh Jain, Swetambar, Ahmedabad, Gujarat, Business
59. Shailendra Jain, Digambar, Pratapgarh, Rajasthan, Government
60. Niraj Jain, Digambar, Dehradun, Uttarakhand, Law
61. Shubham Jain, Digambar, Sikar, Rajasthan, Arts
62. Soubhag Parekh, Swetambar, Bellary, Karnataka, Business
63. Amit Pahariya, Digambar, Howrah, West Bengal, Business
64. Hitesh Mandot, Swetambar, Mumbai, Maharashtra, Finance
65. T. C. Baphna, Swetambar, Navi Mumbai, Maharashtra, Service
66. N. Jain, Digambar, Sagar, Madhya Pradesh, Others
67. Deepesh Bokadia, Swetambar, Udaipur, Rajasthan, Business
68. Ajay Jain, Digambar, Patna, Bihar, Service
69. Vishal Gandhi, Swetambar, Udaipur, Rajasthan, Engineer
70. Amit Bhalgat, Swetambar, Ahmadnagar, Maharashtra, Others
71. Navin Mehta, Swetambar, Toronto, Canada, I. T
72. Ramanbhai Shah, Swetambar, Vadodara, Gujarat, Business
73. Jitendra Jain, Swetambar, Mumbai, Maharashtra, Student
74. Sunil Kumar Jain, Digambar, Etah, Uttar Pradesh, Others
75. Anjali Jain, Digambar, Sagar, Madhya Pradesh, Arts
76. Ashish Kumar Jain, Digambar, Sagar, Madhya Pradesh, Arts

### Matrimonial Candidates

**This Matrimonial Service is free for all Jain candidates**

**Click Online Individual Profile or Visit [www.jainsamaj.org](http://www.jainsamaj.org) 'Matrimonial Section' for details**



### BRIDES

1. Isha Jain, 30, Digambar, Jaipur, Rajasthan, Others
2. Rinki Jain, 23, Digambar, Kolaghat, West Bengal, Business
3. Sneha Daheriya, 32, Swetambar, Vasant Kunj, Delhi, Service
4. Ankita Nandawat, 26, Swetambar, Bharuch, Gujarat, Medicine
5. Aditi Jain, 26, Digambar, Ghaziabad, Uttar Pradesh, Others
6. Ruchi Jain, 26, Digambar, Ratlam, Madhya Pradesh, Service

7. Dipika Bokdia,24,Swetamber,Udaipur,Rajasthan,Others
8. Demi Shah,22,Swetamber,Vadodara,Gujarat,Engineering
9. Lata Bafna,25,Swetamber,Mumbai,Maharashtra,Business
10. A. Shah,47,Swetamber,Ahmedabad,Gujarat,Computer



#### GROOMS

1. Bikash Kumar Jain,32,Digamber,Lilongwe,Malawi,Others
2. Arihant Kumar Jain,27,Digamber,Chattar Pur Extn.,Delhi,Arts
3. Deepak Kothari,28,Swetamber,Mumbai,Maharashtra,Others
4. Niiikheel Kothari,35,Swetamber,Indore,Madhya Pradesh,Business
5. Sachin Jain,28,Digamber,Basoda,Madhya Pradesh,Business
6. Naveen Jain,31,Swetamber,Alwar,Rajasthan,Service
7. Shailesh Jain,26,Digamber,Sabla,Rajasthan,Medicine
8. Mayank Khariwal,26,Swetamber,Ratlam,Madhya Pradesh,Medicine
9. Nitin Kumar Jain,31,Digamber,Bhopal,Madhya Pradesh,Service
10. Shrenik Sadalgi,41,Digamber,Bangalore,Karnataka,Computer
11. Kapil Lunkad,27,Swetamber,Pune,Maharashtra,Others
12. Abhishek Bafana,41,Swetamber,Mumbai,Maharashtra,Business
13. Amul Sethiya,27,Swetamber,Jalna,Maharashtra,Business
14. Naval Jain,26,Swetamber,Patiala,Punjab,Others
15. Jignesh Kumar Shah,32,Swetamber,Ahmedabad,Gujarat,Business
16. Anit Kumar Sankhla,24,Swetamber,Jodhpur,Rajasthan,Divorcee
17. Ravi Kumar Burad,31,Swetamber,Mumbai,Maharashtra,Service
18. Siddharth Parakh,31,Swetamber,Pune,Maharashtra,Computer
19. Sanjay Kumar Singhvi,26,Swetamber,Barmer,Rajasthan,Divorcee
20. Sandeep Mootha,26,Swetamber,Mumbai,Maharashtra,Business
21. Abhishek Jain,32,Digamber,Bhilai,Chhattisgarh,Engineering
22. Nitin Jain,28,Digamber,Shahdara,Delhi,Service
23. Siddharth Jain,26,Digamber,Nirman Vihar,Delhi,Service
24. Saurabh Kumar Jain,26,Digamber,Udham Singh Nagar,Uttarakhand,Engineering
25. Ankur Kumar Jain,27,Digamber,Kota,Rajasthan,Business
26. Dinesh Mehta,27,Swetamber,Bari Sadri,Rajasthan,Business
27. Mukesh Kumar Jain,33,Digamber,Kuchaman,Rajasthan,Service
28. Himanshu Jain,29,Digamber,Awagarh Etah,Uttar Pradesh,Others
29. Mitesh Shah,29,Swetamber,Georgia,Usa,Others

#### JAIN BUSINESS DIRECTORY -WELCOME TO NEW MEMBERS – JUNE 2011

1. Oswal Valves Pvt. Ltd.,Mumbai,Maharashtra,Industry
2. Comexx,Ahmedabad,Gujarat,Industry
3. Star Rockrs Academy,Barmer,Rajasthan,Video/Films
4. R. G. Trade & Investment,Coimbatore,Tamilnadu,Industry
5. Vivek Enterprises,Hyderabad,Andhra Pradesh,Electricals/Electronics
6. Karnawati Tradelink,Ahmedabad,Gujarat,Food
7. Sree Rajendra Medica,Ahmedabad,Gujarat,Medical
8. Star Lines,R. P. Road,Andhra Pradesh,Electricals/Electronics
9. Fastrac Global Impex,Mumbai,Maharashtra,Miscellaneous
10. Manidhari Jewels,Nai Sarak,Delhi,Jewellery
11. Jointours,Jaipur,Rajasthan,Travel
12. BKJ & Co.,Pitampura,Delhi,Real Estate
13. Kishor Associates,Banswara,Rajasthan,Consultants
14. Ashish Engineering,Nasik,Maharashtra,Equipments

### Jainsamaj Matrimonial Database

For widest matrimonial choice  
add. your profile on  
[www.jainsamaj.org](http://www.jainsamaj.org)  
for Rs. 850/-for one year.  
Click here to submit profile

**FORM**

Promote and Inter Society  
Business  
Jain World Business  
Directory  
[www.jainsamaj.org](http://www.jainsamaj.org)

Free Business Listing only for Jain  
Organizations Around The World  
Click here to submit your company  
profile

**ENTRY FORM**

15. Manidhari Sarees, Nai Sarak, Delhi, Textiles
16. Divya Gold Commodity, Mumbai, Maharashtra, Jewellery
17. Jain Batch Agency, Banswara, Rajasthan, Investments
18. Santushti Enterprise, Kota, Rajasthan, Computers
19. Chopra Financials, Krisna Nagar, Delhi, Investments
20. Arihant Enterprise, Jamnagar, Gujarat, Electricals/Electronics
21. Bharat C Shah, Staten Island, Us, Chartered Accountants
22. Gautami Prakashan, Nashik, Maharashtra, Share Brokers
23. Prudential, Edison, Us, Investments

**Advertisement Tariff - "AHIMSA TIMES"**



**MAIL YOUR EMAIL ADDRESS FOR FREE COPY OF "AHIMSA TIMES" AND OTHER JAIN CIRCULARS**

